विचार बिन्दु

स्वयं को बदल दो, भाग्य बदल जायेगा –कहावत

अब देश की सभी राजनीतिक पार्टियां फ्रीबीज की पिच पर

दिल्ली विधान सभा चुनाव में कांग्रेस अकेली और अलग-थलग पड़ी। इंडिया गठबंधन के मुख्य दल केजरीवाल के समर्थन में तथा भाजपा के विरोध में इंडिया गठबन्धन तथा कांग्रेस/ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और उद्धव ठाकरे केजरीवाल के समर्थन में। इस प्रकार दिल्ली विस का चुनाव त्रिकोणात्मक होने जा रहा है। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि केजरीवाल ने यह आरोप कांग्रेस पर लगाया है कि वह बीजेपी की आर्थिक सहायता से चुनाव लड़ रही है। उमर अब्दुल्ला जेकेके मुख्यमंत्री और इण्डिया गठबन्धन के सदस्य ने इण्डिया गठबन्धन को भंग करने की मांग उठाई है।

दिल्ली विधान सभा के चुनाव में जोर-शोर से रेवडियां बांटी जा रही हैं। केजरीवाल ने फ्रीबीज का प्रारम्भ किया था और अब बीजेपी व कांग्रेस भी इस मार्ग पर चल पड़ी है।

आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के मध्य जबरदस्त वाक युद्ध चल रहा है। धर्म के पिच से यह लडाई जाति के पिचर पर आ गई है। मुफ्त के वायदे टॉप पर हैं। इण्डिया गठबन्धन टूट रहा है। मतदाता भ्रमित हैं।

मतदाताओं को रिझाने के लिये भरसक प्रयास किये जा रहे हैं। मतदाताओं के पूर्वान्चल के (बिहार, यूपी) के 30 प्रतिशत वोटर्स हैं। यह भी आरोप है कि 15 दिन में 13000 नये लोग बाहर से लाकर, उन्हें वोटर बनाया गया है। यह फर्जी कार्यवाही है। दिनांक 20.12.2024 को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व दिल्ली में बसे पूर्वान्चल के लोगों की तुलना बांग्लादेशीयों से व रोहिंग्या से करके उनका अपमान किया है। केजरीवाल ने शंका भरे स्वर में कहा है, इन लोगों ने 30-40 वर्षों से मतदान किया है, फिर इन्हें बांग्लादेशी अथवा रोहिंग्या कैसे कहा जा सकता है? बीजेपी ने केजरीवाल के इस कथन का खण्डन किया है। तथाकथित फर्जी वोटर्स को यूपी बिहार से कनेक्शन बताने पर केजरीवाल को घेरा है। बिहार यूपी से आकर दिल्ली में बसने वालों की आबादी 24-25 प्रतिशत है। विस की गई सीटों पर इन लोगों का बाहुल्य है। इन्होंने गत 10 वर्षों में केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को विजय दिलाई है। बीजेपी 'आप' के विरूद्ध विरोध प्रदर्शन कर रही है।

केजरीवाल ने चुनाव आयोग को शिकायत की है। प्रेस कॉन्फरेन्स की है। उन्होंने कहा कई वोटर्स उत्तर प्रदेश बिहार व पडोसी राज्यों से लाये गये हैं। नकली वोटर्स का पंजीकरण चुनाव प्रक्रिया को क्षति पहुंचायेगा। वस्तुत: यूपी, बिहार के मतदाता विस की 70 सीटों में से कई पर केजरीवाल को जीत दिलाती रही है।

दिल्ली विधान सभा के चुनाव में एक एक सीट पर भयंकर लडाई है। धर्म के नाम पर काफी लडाई हो चुकी है अब जाति के नाम पर लडाई चल रही है। विस में 364 गांवों में 225 गांवों में जाटों का प्रभाव है। बीजेपी के जाट नेता कैलाश गहलोत पहले केजरीवाल के साथ थे। नई दिल्ली सीट से प्रवेश वर्मा बीजेपी के उम्मीदवार हैं, वे जाट समाज से हैं उन्हें मैदान में उतारा है। 8 प्रतिशत जाट मतदाता हैं। ये मतदाता 10 सीटों को प्रभावित करते हैं। केजरीवाल का कहना है कि जाटों की केन्द्र की ओबीसी लिस्ट में लाया जाना चाहिये। उन्होंने मोदी को पत्र लिखकर जाटों को ओबीसी में लेने की मांग की है। मोदी व शाह दोनों ही कई बार आश्वासन दे चुके हैं कि जाटों को ओबीसी में शामिल किया जावेगा। केजरीवाल का कथन है कि जब राजस्थान का जाट ओबीसी में आरक्षण का अधिकारी है तो दिल्ली में क्यों उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिले?

यह निर्विवाद है कि केन्द्र की ओबीसी की सूची में जाट नहीं हैं। बीजेपी ने केजरीवाल से पूछा है कि गत 10 वर्षों में उनकी सरकार रही है, फिर उन्होंने क्यों इस बाबत कदम नहीं उठाये। यों भी राज्य की केबिनेट के प्रस्ताव के बिना ओबीसी कमीशन भी कोई सुनवाई नहीं कर सकता है। यों भी दिल्ली के जाट सामाजिक व आर्थिक रूप से पिछडे नहीं माने गये हैं। बीजेपी और 'आप' में एक एक सीट पर जोरों की लडाई है। अत: 8 प्रतिशत की आबादी वाले जाट मतदाताओं की भूमिका भी काफी महत्वपूर्ण हो जाती है।

मतदाताओं में पुरूष व स्त्री मतदाता हैं। बुजुर्ग मतदाता हैं। ब्राह्म्ण मतदाता हैं। पुजारी व ग्रन्थी मतदाता हैं। दलित मतदाता हैं और ऑटो चालक हैं। केजरीवाल, भाजपा व कांग्रेस सभी प्रमुख पर्टियां इन मतदाताओं को रिझाने में लगे हुये हैं।

महिला मतदाता 46 प्रतिशत है और पुरूष 54 प्रतिशत। अत: केजरीवाल से वादा किया है कि वे प्रत्येक महिला मतदाता को 2100/- रूपये प्रतिमाह देंगे। कांग्रेस व बीजेपी भी उपहार देने में व केश ग्रान्ट देने में पीछे नहीं हैं। 16 प्रतिशत बुजुर्ग मतदाता हैं। उनके लिये स्वास्थ्य की योजना है (संजीवनी योजना)। दलित 17 प्रतिशत मतदाता हैं, केजरीवाल की आप ने दलितों के बच्चों को विदेशों में पढ़ाई के हेतु भेजने का वायदा किया है।

ब्राह्म्ण मतदाता 10 प्रतिशत हैं, सिख मतदाता 3.5 प्रतिशत हैं। केजरीवाल ने पुजारियों व ग्रन्थियों को 18000/-रूपये प्रतिमाह देने का वायदा किया है। 4 प्रतिशत ऑटो चालक हैं उन्हें बीमा, लडकियों की शादी आदि की 5 सुविधायें केजरीवाल देंगे। बीजेपी के प्रवेश वर्मा पर आरोप हैं कि उनहोंने भेंट में वस्तुयें मतदाताओं को दी है। उनके विरूद्ध शिकायत चुनाव आयोग को की है। इसे आचार संहिता का उल्लंघन कहा गया है। एफआईआर भी रजिस्टर की गई है। आरोप मतदाताओं की फर्जी रजिस्ट्री का भी है। आरोप प्रत्यारोप राजनीतिक पार्टियां जोर-शोर व प्रदर्शन के साथ तथा पोस्टरों के माध्यम से करेंगे। गालीबाज सीएम बनाम आप-दा-ए आजम पोस्टर सब जगह देखने को मिलेंगे।

फ्रीबीज साफ-सुथरे चुनाव के लिये अभिश्राप है और लोकतंत्र के लिये खतरा। चुनाव के समय फ्रीबीज यानी रेवडी बांटना अपराध होना चाहिये। राज्य की धनराशि को ऐसे ही कैसे लुटाया जा सकता है? राज्य के खर्चे के हेतु बजट पारित किया जाता है, फिर कैसे राज्य का मंत्री, फ्रीबीज की राशि की पेमेन्ट की सेंग्शन दे सकता है। फ्रीबीज व उपहार अपराध होना चाहिये।

सीलमपुर निर्वाचन क्षेत्र मुस्लिम प्रधान क्षेत्र है। यहां पानी की समस्या है। गलियां वहां की टूटी-फूटी हैं। सिवरेज से परेशानी है। बदरपुर की जनता की नेताओं के प्रति नाराजगी है। कालकाजी मतदाताओं की शिकायत है कि वहां का निवासी नशा खोरों के आतंक और गुंडागर्दी से परेशान है। गांधीनगर की पब्लिक की अपनी ही शिकायत। उनकी शिकायत है कि गत 10 वर्षों में कोई बडा काम नहीं हुआ है। पानी की शिकायत है। गांधीनगर की जनता ने कहा कि जनता फ्री बिजली के कारण मतदान नहीं करती। मतदान तो काम के आधार पर होता है। जमुना गंदी है।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि राजधानी दिल्ली के लोगों का झुकाव भारतीय जनता पार्टी की तरफ है लेकिन चुनाव जीतने के लिये पार्टी को और प्रयास करने होंगे।

बीजेपी 300 यूनिट बिजली व पानी मुफ्त देगी। लाड़ली बहिना योजना पर जोर। बीजेपी ने मंदिर व गुरूद्वारों को 500 यूनिट बिजली देने का वायदा किया है। पुजारियों व ग्रन्थियों को 2500/-रूपये देने का वायदा किया है।

सभी राजनीतिक पार्टियां रेवडी बांट रही हैं वायदा कर रही हैं। वायदों की भी भरमार है। कोई पार्टी यह बतलाने को तैयार नहीं है कि फ्रीबीज की यह धनराशि कहां से आयेगी। जनता का आरोप है ये पार्टियां देश को खोखला कर देंगी। चुनाव की तारीख तय होने से पहले भी वायदे किये थे और अब तारीख की घोषणा के बाद भी वायदे किये जा रहे हैं। सुभाष चन्द्र बोस ने कहा था, तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा। किन्तु यहां तो यह घोषणा है कि तुम वोट दो और यदि मैं जीत गया तो तुम्हें उपहार दूंगा, नहीं जीतने पर मतदाता कुछ नहीं कर सकता। जीतने पर भी रकम नहीं दी तो भी मतदाता कुछ नहीं कर सकता।

फ्रीबीज पर सुप्रीम कोर्ट ने एक केस में सुनवाई के समय यह कहा कि सरकार के पास जजों का वेतन देने को तो धन नहीं है, और अदायगी का वादा हो रहा है। सर्वौच्च न्यायालय में एक रिट् याचिका लम्बित है, जिसमें फ्रीबीज की वैधानिकता पर विचार होगा।

पुराने व नये दण्ड संहिता में फ्रीबीज के बाबत कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है, जिसके द्वारा इसे अपराध घोषित किया हो। हां, जनप्रतिनिधि अधिनियम 1951 में 'रिश्वत' शब्द को धारा 123 में परिभाषित किया है। कोई उम्मीदवार उसका एजेन्ट उसकी सहमति से कोई अन्य व्यक्ति किसी व्यक्ति को वोट देने या न देने के लिये प्रभावित करने हेतु उपहार या वादा करे। इसे संक्षेप में चुनावी अपराध कहा जाता है और ऐसे कृत्य को अपराध माना है, इसका चुनाव के नतीजे पर विपरीत असर हो तो चुनाव ट्रिब्यूनल, चुनाव को निरस्त भी कर सकती है।

फ्रीबीज साफ-सुथरे चुनाव के लिये अभिश्राप है और लोकतंत्र के लिये खतरा। चुनाव के समय फ्रीबीज यानी रेवडी बांटना अपराध होना चाहिये। राज्य की धनराशि को ऐसे ही कैसे लुटाया जा सकता है? राज्य के खर्चे के हेतु बजट पारित किया जाता है, फिर कैसे राज्य का मंत्री, फ्रीबीज की राशि की पेमेन्ट की सेंग्शन दे सकता है। फ्रीबीज व उपहार अपराध होना चाहिये।

दिल्ली विधान सभा में कौन विजयी होगा, यह तो भविष्य ही बतायेगा, किन्तु इस चुनाव में सभी प्रकार की करप्ट प्रेक्टिस देखी जा सकती है। आरोप व प्रत्यारोप, भद्दी गाली गलोच पर आ गये हैं। भाषा पर कोई लगाम नहीं है। ऐसा प्रतीत होता है दिल्ली विधान सभा का क्षेत्र मत खरीदने की मंडी बन गया है बोलियां लग रही हैं। इण्डिया गठबन्धन टूटने से, मायावती तथा समाजवादी पार्टी के चुनाव में आने से राजनीति में कई रंग आ गये हैं।

जैसे-जैसे विधान सभा के चुनाव में मतदान की तारीख पास आ रही है चुनाव में नये-नये तारे, रेवडियों की घोषणा और एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप के चार्ज सुनने को मिल रहे हैं। कांग्रेस बेरोजगार युवा-युवतियों को 8500/-रूपये प्रतिमाह, चुनाव जीतने पर देने का वायदा कर रही है। प्रश्न है क्या बेरोजगार भत्ता, महिला सम्मान राशि 2100/-रूपये पुजारियों को रूपये 1800/- का भत्ता आदि की रकम जनता के टैक्स के पैसे से दी जा सकती है और क्या सम्भव है दिल्ली में 71 लाख महिला मतदाता हैं, 94 लाख ऑटो चालक हैं। पुजारी, इमाम व ग्रन्थी आदि की संख्या भी कम नहीं है। 5.30 लाख बुजुर्ग हैं। कांग्रेस ने नारा दिया है 'जय बापू जय भीम और जय संविधान'। संविधान बचाने की बात सभी पार्टियों ने की है साथ ही संविधान की उपेक्षा भी की है। संविधान ने नीति निदेशक तत्वों को राज्यों के संचालन में लागू करने का निर्देशन था, किन्तु जो भी पार्टियां सत्ता में आई उन्होंने पालना नहीं की। संविधान के नीति निदेशक तत्व शराब बंदी की बात करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट संदेश दिया है कि चूंकि भारत एक कल्याणकारी राज्य है अत: कोई भी राज्य शराब की आय से देश के संचालन की राह नहीं अपना सकता; किन्तु आम आदमी पार्टी ने आय बढ़ाने के संकल्प से ही नई शराब नीति लागू की है। यों देखा जावे तो लगभग सभी राज्य गुजरात व बिहार को छोड़कर इसके दोषी हैं। नई शराब नीति के कारण राज्य को 2026 करोड रूपये का नुकसान हुआ है बीजेपी इसे शराब घोटाला कहती है। केजरीवाल जी पर मनी लॉन्ड्रिंग (PMLA) का केस चलेगा। शिक्षा आठवीं कक्षा तक बच्चों को नि:शुल्क व अनिवार्य करने का प्रावधान मूल संविधन में था; किन्तु आज 5 वर्ष तक के बच्चों को शिक्षा का मूल अधिकार ही संविधान में कहीं खो गया है। चुनावों में एसटी, एससी के लिये आरक्षण 10 वर्ष का था और वह भी इस शर्त के साथ की यह प्रावधान 10 वर्ष के बाद स्वत: समाप्त हो जावेगा, किन्तु आज भी आरक्षण चला आ रहा है।

जनता फ्री व फेयर चुनाव चाहती है। जनता अपेक्षा करती है कि देश सच्चे अर्थों में लोकतंत्र हो और संविधान व उसके प्रियम्बल के अनुरूप इस महान देश का शासन हो।

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र पर मंडराता खतरा

डॉ. वीरेन्द्र कुमार सैनी

ओजोन परत की तरह ही पृथ्वी को चारों ओर से घेरे चुम्बकीय क्षेत्र भी हमारी पृथ्वी और फलते-फूलते जीवन के लिए एक बेमिसाल रक्षा कवच है। पृथ्वी के वातावरण में प्रदूषण बढने के कारण ओजोन की परत कमजोर पड़ रही है। ओजोन परत सूर्य की पराबैंगनी किरणों को धरती पर पहुंचने से रोकती है। 1997 में पहली बार पता चला कि अंटार्कटिका के उपर ओजोन परत में एक छोटा छेद हो गया है। इसके दस साल बाद एक दूसरी बुरी खबर आई है कि धरती का चुम्बकीय क्षेत्र भी खतरे में है। इसमें भी ओजोन परत की तरह छेद हो रहे है।

अंतरिक्ष से पृथ्वी की निगरानी कर रहे नासा के इमेजर फॉर मैग्नेटोपास-टू-ओरोरा ग्लोबल एक्सप्लोटेशन (इमेज) सेटेलाइट ने यह चौंकाने वाली खोज की है। जबकि यूरोपियन स्पेस एजेंसी के सेटेलाइट क्लस्टर ने इस खतरे की पुष्टि कर दी है। पृथ्वी का अपना एक शक्तिशाली चुम्बकीय क्षेत्र है। जो पृथ्वी को चारों ओर से घेरे रहता है। सूर्य पृथ्वी के लिए जीवनदायी है। लेकिन जब यह रौद्र रुप धारण करता है तो इससे सौर विकिरण के भंयकर तूफान उत्पन्न होते है। ये तूफान लाखों किलोमीटर का रास्ता तय कर सौर मण्डल में आगे बढ़ता चला जाता है। बुध और शुक्र के बाद इसके रास्ते में पृथ्वी आती है।

पृथ्वी का चुम्बकीय क्षेत्र सौर विकिरण के तूफान को पृथ्वी से दूर धकेल देता है। जिससे हमारे को कोई हानि नहीं होती है। बुध और शुक्र पर सौर विकिरणों के तुफानों की लगातार मार ने वहां जीने लायक परिस्थितियां ही खत्म कर दी है। लेकिन हमारा शक्तिशाली चुम्बकीय क्षेत्र पृथ्वी का रक्षा कवच है जो प्राचीनकाल से धरती पर जीवन की सुरक्षा कर रहा है। पृथ्वी का चुम्बकीय क्षेत्र इसके केन्द्र से शुरु होता है। पृथ्वी का आन्तरिक केन्द्र बिल्कुल ठोस है लेकिन बाहरी भाग लोहे और निकिल जैसी पिघली धातुओं के लावा से बना है।

आन्तरिक और बाहरी परत में धातुओं के लावा का तापमान 7500 डिग्री केल्विन होता है। जो सूर्य के तापमान से भी अधिक होता है। सूर्य की तरह पृथ्वी का अन्तरतम कोर भी नाभिकीय फिशन रिएक्टर की तरह कार्य करता है। पृथ्वी की ठोस आन्तरिक कोर (जो चारों ओर लावे से घिरी होती है) को लगातार कंपन की उर्जा भी इसी से मिलती है। इस ठोस आन्तरिक कोर के कंपन घड़ी की सूई की दिशा और इसके विपरित दिशा में बारी -बारी से कंपन करती है। जिससे पृथ्वी का शक्तिशाली चुम्बकीय क्षेत्र उत्पन्न होता है जो सौर विकिरण के हानिकारक तूफानों को प्रतिकर्षण बल से दूर धकेल देता है। चुम्बकीय क्षेत्र की शक्तिशालीता कोर के घुमने की गति पर निर्भर करती है।

नासा और यूरोपियन अन्तरिक्ष एंजेसी ने खोज की है कि पृथ्वी के चुम्बकीय कवच में छिद्र हो रहे है। क्योंकि पृथ्वी के आन्तरिक कोर के घूमने की गति मन्द पड़ रही है। जिसके कारण चुम्बकीय क्षेत्र कमजोर पडने लगता है और इसमें जगह-जगह पर छेद होने लगते है। लगभग प्रत्येक तीन लाख वर्ष बाद पृथ्वी के कोर का कंपन करना बंद हो जाता है। जिसमें पृथ्वी का रक्षा कवच चुम्बकीय क्षेत्र धीरे-धीरे खत्म हो जाता है। पृथ्वी के चुम्बकीय क्षेत्र आने वाले खतरे की चेतावनी है। पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र काफी शक्तिशाली है और वह कंपास की सुई को उत्तर-दक्षिण दिशा में रखता है। यदि यह गायब हो जाए, तो कंपास सबसे नजदीकी चुंबकीय स्त्रोत की सीध में आ जाएगा। वैज्ञानिको ने इसका अवलोकन भी किया है।

पृथ्वी पर ऐसे स्थान है जहां चुंबकीय विसंगतियां पाई जाती हैं। उदाहरण के तौर पर मध्य अफ्रिकी गणराज्य में, पृथ्वी की उपरी सतह में चुंबकीय विविधताओं के कारण कंपास की सुई अलग-अलग दिशाओं में ठहरती है जिससे उस क्षेत्र में समुद्री यात्राओं में कंपास बेकार साबित होता है। यदि पुरे ग्रह का चुंबकीय क्षेत्र गायब हो जाता है तो हमारे पास ऐसे मनमानी दिशाओं में ठहरने वाले कंपास ही बचेंगे। केवल मनुष्य ही दिशाज्ञान के लिए पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र का उपयोग नहीं करते। कई पक्षी, समुद्री कच्छुए, लॉबस्टर, मधुमक्खियां, सैल्मन और यंहा तक कि फल मक्खियों के शरीर में जैविक कंपास होते हैं, जिन्हे 'मैग्नेटोरिसेप्शन' कहा जाता है। पक्षी इनका उपयोग सर्दियों के समय गर्म स्थानों की तलाश के लिए करते हैं, जबकि कच्छुए खुले समुद्र में इनका उपयोग करते हैं और अपने अंडे देने के लिए समुद्र तटों की तलाश करते है। यंहा तक कि अधिकतर मादा समुद्री कच्छुए हर साल एक समुद्र तट पर लौटती हैं। यदि पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र गायब हो जाता है तो कंपास की मदद से यात्राएं करने वाले जीव गंभीर संकट में पड़ सकते है।

इस रक्षा कवच चुम्बकीय क्षेत्र में छेद होने से सौर विकिरण और कास्मिक किरणें बिना अवरोध के सीधी पृथ्वी पर आएंगी। जिससे जो क्षेत्र इसके अभाव में आयेगा वहां पर कैंसर रोग तेजी से बढेगा। लंबे समय की अंतरिक्ष यात्रा के संदर्भ में कॉस्मिक किरणें वास्तविक चिंता का विषय है। मंगल ग्रह पर जाने वाले संभावित अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की तुलना में 1000 गुना तक अधिक कॉस्मिक किरणों का सामना करना पड़ सकता है। यदि पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र गायब हो गया तो पूरी मानव जाति और अन्य सभी जीवों को अंतरिक्ष यात्रियों के समान 1000 गुना अधिक विकिरण का सामना करना होगा। कॉस्मिक किरणें हमारे शरीर और हमारे डीएनए को भी नुकसान पहुंचा सकती हैं, जिससे दुनिया भर में कैंसर और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ जाएगा।

इसके अतिरिक्त संचार व्यवस्था भी अवरुद्ध होगी। घरेलू और सेटेलाइट संचार व्यवस्था ठप हो जायेगी। अंतरिक्ष में भ्रमण कर रहे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन और दूसरे सेटेलाइटस को नूकसान पहुंच सकता है तथा टेलिविजन ट्रांसमिशन बाधित हो जाएगा। पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र में नुकसान होने से पृथ्वी की ध्रुवीय ज्योति में भी बदलाव आ सकता है। इन्हे आम तौर पर उत्तर ध्रुवीय और दक्षिण ध्रुवीय प्रकाश कहा जाता है। आम तौर पर हमारे ग्रह का चुंबकीय क्षेत्र (मैग्नेटोस्फीयर) सूरज के आने वाले आवेशित कणों (सौर हवाओं) को परावर्तित कर देता है। लेकिन उत्तर और दक्षिण ध्रवों के आसपास मैग्नेटोस्फीयर अंदर की ओर धंसा होता है, जिससे सौर हवांए हमारे उपरी वायुमंडल के साथ खिलवाड़ कर पाती है। इसके परिणामस्वरुप शानदार, बहुरंगी पटिटयां उत्पन्न होती है। इसी को ध्रुवीय ज्योति कहा जाता है। पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र के अभाव में हमारा पूरा उपरी वातावरण सौर हवा के लिए खुल जाएगा जिससे ध्रुवीय ज्योति कुछ अलग ही तरह से प्रकट होगी। शायद शुक्र और मंगल ग्रह की ध्रुवीय ज्योति के समान। चूंकि इन दोनों ग्रहों के पास कोई उल्लेखनीय चुंबकीय क्षेत्र नहीं है, इसलिए वहां ध्रुवीय ज्योति कभी-कभी धुंधली और बेरंग होती है और रात के पूरे आकाश में बिखरी होती है। इस प्रकार हमारे चुंबकीय क्षेत्र के गायब होने से पृथ्वी के सबसे लुभावने प्राकृतिक नजारे निस्तेज हो सकते है। सौर गतिविधि के कारण पहले भी ऐसी समस्याएं हो चुकी है।

1989 में बड़े पैमाने पर सूरज की सतह से अत्यंत गर्म सौर हवा प्लाज्मा विस्फोट ने पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर पर हमला किया था, तब कनाडा के क्यूबेक प्रांत में बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप्प हो गयी थी। पूरे प्रातं का पावर ग्रिड 12 घंटे के लिए बंद रहा था और आसपास के क्षेत्रों को अपने अपने ग्रिड चालू रखने के लिए काफी मशक्कत करनी पडी थी। कुछ उपग्रहों को भी नुकसान हुआ था। उनके नाजुक इलेक्ट्रोनिक उपकरण एक विशाल सौर तूफान से निपटने के लिए डिजाइन नहीं किये गये थे। इस दौरान कई उपग्रह तो घंटों नियंत्रण से बाहर रहे।

इससे भी अधिक खतरनाक तो उस वायुमंडल का खत्म हो जाना है जिसमें हम सांस ले रहे है। सूरज की सौर हवाएं इतनी शक्तिशाली होती हैं कि यह एक ग्रह के वायुमंडल से गैसों को आसानी से चीरकर खत्म कर सकती है। ऐसी संभावना है कि ऐसा मंगल ग्रह पर हो चुका है। मंगल ग्रह पर भी पृथ्वी की तरह महासागर और घना वातावरण मौजूद था लेकिन इसका चुंबकीय क्षेत्र अरबों साल पहले गायब हो चूका था। जिसके बाद से यह वातावरण पूरी तरह से असुरक्षित हो गया और धीरे-धीरे यह पूरी तरह से खत्म हो गया। जब इसका वायुंमडलीय दबाव काफी कम हो गया, तो इसका पानी वाष्पीकृत होने लगा। यह संभव है कि भू-चुंबकीय क्षेत्र के बिना हमारे वायुमंडल हमारे महासागर और जीवन खतरे में होगें।

पृथ्वी के आन्तरिक अन्तरतम के परिभ्रमण की गति लगातार कम होती जा रही है। जिसके कारण पृथ्वी का चुम्बकीय क्षेत्र भी लगातार कमजोर होता जा रहा है। वह दिन दूर नहीं जब चुम्बकीय क्षेत्र पूरी तरह खत्म हो जायेगा। यह घटना कुछ दिनों में घट सकती है या कई वर्ष लग सकते है। लेकिन पृथ्वी का चुम्बकीय क्षेत्र समाप्त होगा तथा अगले सैकण्ड वह फिर से उप्पन्न हो जायेगा क्योकि द्रवीत धातुओं के मैग्मा से बना पृथ्वी का बाह्य अन्तरतम है। नाभिकीय भटटी की तरह कार्य करता है। इसमें अरबों छोटी-छोटी नाभिकीय अभिक्रियाएं शुरु होती हैं व कुछ समय बाद बंद हो जाती हैं और फिर एक झटके के साथ शुरु हो जाती है। ये अभिक्रियाएं आन्तरिक अन्तरतम को फिर घूमनें के लिए जरुरी झटका देंगी जिससे आन्तरिक अन्तरतम फिर से घूमना प्रारम्भ हो जाएगा तथा पृथ्वी की लुप्त चुम्बकीय क्षेत्र से लौट आएगा लेकिन इस नए चुम्बकीय क्षेत्र के ध्रुव बदल सकते है।

-डॉ. वीरेन्द्र कुमार सैनी,
प्राचार्य, महात्मा गांधी पी.जी. कॉलेज, श्रीमाधोपुर।(जिला-नीम का थाना), राजस्थान

सड़क पर जमा गंदे पानी से परेशान ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के लोयल में चिड़ासन की ओर जाने वाली सड़क पर जमा गंदा पानी ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बन रहा हैं। समस्या से परेशान होकर गुरूवार को ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर पंचायत से समस्या का जल्द समाधान करने की मांग की है।

समस्या को लेकर विरोध कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि लोयल से चिड़ासन जाने वाली सड़क पर पानी एकत्रित होने से बड़े-बड़े गड्ढे हो रहे हैं, जिनमें बरसात का पानी इकट्ठा हो जाता है। मुख्य रास्ते में पानी जमा होने से आमजन को बहुत परेशानी होती है। वहीं दुपहिया वाहन एवं पैदल आने जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पानी जमा होने व सड़क में गड्ढे दिखाई नहीं देने के कारण कई बार दो पहिया वाहन एव राहगीर पानी में गिर भी जाते हैं, जिससे उनको गंभीर चोटें आती हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में ग्राम पंचायत को बार-बार अवगत करा दिया गया है, लेकिन कोई समाधान नहीं होता है। ग्राम पंचायत वहां मिट्टी डाल देती है, जिससे और ज्यादा कीचड़ हो जाता है और दलदल की स्थिति हो जाती है। बरसात के समय में तो इस रास्ते की हालत ऐसी हो जाती है कि दो पहिया वाहन एवं पैदल आने जाने वाले लोगों को रास्ता बदलकर ही आना पड़ता है।

सड़क पर जमा गंदे पानी से परेशान ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर समस्या समाधान की मांग की।

ग्रामीणों ने मांग की है कि समस्या का जल्द से जल्द समाधान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि रोड की मरम्मत के लिए सरकार को बजट आवंटित करना चाहिए और ग्राम पंचायत को इस समस्या का समाधान करने के लिए कार्रवाई करनी चाहिए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो ग्रामीणों की ओर से सड़क पर जाम लगाकर आंदोलन किया जाएगा।

■ लोयल में चिड़ासन की ओर जाने वाली सड़क पर जमा गंदा पानी ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है

इस मौके पर कर्मवीर, घड़सीराम मेघवाल, कपिल सिंघानिया, कुलदीप सिंह, अनिल कुमार, धोनी, अभिषेक, शाहिद, राजपाल, विक्रम, सतपाल, राजेश, मनीष, विजेंद्र, अशोक कुमार, अमित कुमार, विजेश, सुरेंद्र, राहुल, विकास सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

आयोग ने विभिन्न विषयों की मॉडल उत्तर कुंजी जारी की

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 के तहत जीके एंड एजुकेशन साइकोलॉजी, सोशल साइंस, हिंदी, साइंस, मैथेमेटिक्स, संस्कृत एवं इंग्लिश विषय की मॉडल उत्तर कुंजियां आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। इन मॉडल उत्तर कुंजियों पर किसी अभ्यर्थी को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 18 जनवरी से 20 जनवरी 2025 को रात्रि बारह बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है।

आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि आपत्तियां आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र के क्रमानुसार ही प्रविष्ट करनी होंगी। उक्त परीक्षा के मॉडल प्रश्न-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। आपत्ति प्रामाणिक (स्टैंडर्ड, ऑथेंटिक) पुस्तकों के प्रमाण सहित ऑनलाइन ही प्रविष्ट करें। वांछित प्रमाण संलग्न नहीं होने की स्थिति में आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। उक्त परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों के अतिरिक्त यदि कोई अन्य व्यक्ति आपत्ति दर्ज करवाते हैं, तो उन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

■ वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024

आयोग द्वारा प्रत्येक प्रश्न हेतु आपत्ति शुल्क 100 रूपए (सेवा शुल्क अतिरिक्त) निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थी एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर उक्त परीक्षा के लिए उपलब्ध लिंक (क्वेश्चन आब्जेक्शन) पर क्लिक कर प्रश्नों पर आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं। प्रति प्रश्न आपत्ति शुल्क रू 100 रूपए (सेवा शुल्क अतिरिक्त) के हिसाब से कुल आपत्ति शुल्क ई-मित्र कियोस्क अथवा पोर्टल पर उपलब्ध पेमेंट गेटवे से भुगतान कर आपत्तियों को स्थाई रूप से दर्ज कराया जा सकेगा।

राशिफल शुक्रवार 17 जनवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, मघा नक्षत्र दिन 12:45 तक, सौभाग्य योग रात्रि 12:57 तक, बव करण सायं 4:49 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कर्क, बुध-धनु, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 12:45 से सूर्योदय तक है। आज संकष्ट चतुरथी और तिकुटा चौथ व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 9:18 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:40 तक, लाभ-अमृत 8:40 से 11:16 तक, शुभ 12:37 से 1:56 तक, चर 4:33 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:52

मेष
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। परिवार में वाद-विवाद बढ़ सकते हैं।

वृष
घर-परिवार में सुख-शांति रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बढ़ेगा।

सिंह
नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थि